अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2023

अंक-योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड--002

प्रश्न-पत्र कोड--29/5/1 से 3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिहन न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

ZOLLEGE.in

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन'में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आंकड़ों और शब्दों में लिखे।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

ZOLLEGE.in

अंक योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

प्रश्न सं.	29/5/1	29/5/2	29/5/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड अ **वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर**	
1	1	2	1	(i) (a) जो आधुनिक तकनीक का पूर्ण उपयोग करते हैं। (ii) (b) विकास के लिए (iii) (d) परस्पर प्रतिद्वन्द्विता का बढ़ना (iv) (d) (a) और (b) दोनों (v) (b) संवेदनशील लोग (vi) (a) प्रकृति का दोहन करने वाले (vii) (c) पृथ्वी जीवन शून्य (viii) (d) भविष्य की चिंता करने वाला (ix) (a) विषाक्त गैस (x) (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	10 x 1 = 10
2	2	1	2	(क) (i) (a) संध्या समय पर (ii) (c) मानवीकरण (iii) (b) वातावरण शांत है। (iv) (c) समाप्त होना (v) (c) भारतमाता (vi) (a) उम्मीद (vii) (b) संध्या (viii) (d) चुपचाप से **अथवा**	8 x 1 = 8

ZOLLEGE.in

				(ख) (i) (d) कठिनाइयों से निकलने का मार्ग नहीं सूझना (ii) (d) सच्चाई को स्वीकार नहीं करने से (iii) (b) स्वार्थ पूर्ति से (iv) (d) स्वार्थ सिद्ध होना (v) (c) सत्ता में शरीक लोग (vi) (d) मनुष्य की (vii) (b) अन्याय (viii) (d) उम्मीद	
3	**3**	**6**	**4**	(i) (c) विशेष संवाददाता हैं। (ii) (a) समाचार (iii) (c) संचार का आधुनिक साधन होने के कारण (iv) (d) इन-डेप्थ रिपोर्ट (v) (d) स्तंभ लेखन	**5 x 1 = 5**
4	**4**	**3**	**5**	(i) (a) व्यक्ति (ii) (b) समष्टि (iii) (c) गोताखोर (iv) (a) दीप की सत्ता का सार्वभौमीकरण। (v) (c) (क) और (ख) (vi) (d) क्रांतिकारी विचार	**6 x 1 = 6**
5	**5**	**4**	**6**	(i) (c) अत्यधिक मुनाफा कमाने के लिए (ii) (d) वह मुनाफाखोर था। (iii) (b) वे गुलाम हो गए। (c) वे स्वतंत्र शोध से वंचित हो गए। [(b) और (c) दोनों विकल्प सही] (iv) (b) वह अधिक उत्पादन चाहता है। (v) (a) शोषक (vi) (c) चार हाथ	**6 x 1 = 6**
6	**6**	**5**	**3**	(i) (c) (ग) और (घ) दोनों (ii) (d) औद्योगिक सभ्यता को (iii) (b) गुड़हल के (iv) (a) आत्मकथात्मक शैली (v) (d) दृढ़ता	**5 x 1 = 5**
				खंड ब **वर्णनात्मक प्रश्न**	
7	**7**	**7**	**7**	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख : भूमिका : 1 अंक	**1 x 5 = 5**

ZOLLEGE.in

				विषयवस्तु : 3 अंक भाषा: 1 अंक	
8	**8**	**9**	**9**	(क) • संवेदना अनुभूतिजन्य • कविता का भाव के साथ संबंध • भाव का संबंध मनुष्य से • भाव से ही संवेदना • कविता के मूल में राग तत्त्व तथा भाव तत्त्व (ख) • किसी भी काल की घटनाओं को वर्तमान में दिखाना • एक निश्चित समय, स्थान तथा काल में प्रस्तुत करना • भूत, भविष्य को वर्तमान में संयोजित करना • दर्शक की आँखों के सामने घटित होना (ग) • कहानी कथाकार के मन में कथानक के रूप में उत्पन्न होती है • कहानीकार कथानक का विस्तार कर कहानी लिखता है • एक छोटे से सूत्र के माध्यम से कहानी का स्वरूप स्पष्ट होता है • कहानी के सभी तत्व कथानक पर ही आधारित	**2 x 3 = 6**
9	**9**	**8**	**8**	(क) • उलटा पिरामिड शैली • मुखड़ा, बॉडी और समापन • लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली • कथालेखन के विपरीत शैली सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य सबसे पहले तत्पश्चात महत्त्व के आधार पर घटते क्रम में घटनाओं का संयोजन (ख) • कोई निश्चित शैली नहीं • कथात्मक शैली का अधिकतम प्रयोग • भाषा-सरल, रूपात्मक और आकर्षक • अलंकार और दुरूहता से बचने की आवश्यकता	**2 x 3 = 6**
10	**10**	**10**	**10**	(क) • राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति में नागमती अत्यंत व्यथित • भयंकर सर्दी पड़ना • वियोग के कारण उसका शरीर दिन-रात धीरे-धीरे गलते जाना	**2 x 2 = 4**

ZOLLEGE.in

				● रक्त सूख गया ● हड्डियाँ शंख के समान ● विरह में नागमती सारस, चकवा-चकवी और कोकिल की भाँति व्यथित ● रात में नितांत अकेली ● विरह में मरणासन्न स्थिति तक पहुँचना (कोई दो बिंदु स्वीकार्य) (ख) ● 'सरोज-स्मृति' एक शोक-गीत ● कवि पिता निराला का अपनी दिवंगत पुत्री को याद करना ● पिता के संघर्ष और विवशता का चित्रण ● प्रेम तथा समाज से संबंध ● पिता का पुत्री के प्रति अकर्मण्यता का बोध (कोई दो बिंदु स्वीकार्य) (ग) ● जीवन के यथार्थ में विश्वास ● अत्यधिक विश्वास और कल्पना से बचाव ● परिणाम की चिंता किए बिना विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष करना (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उचित तर्क स्वीकार्य)	
11	**11**	 **11**		कविता—बनारस कवि—केदारनाथ सिंह अथवा कविता—पद कवि—विद्यापति संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक कविता—कार्नेलिया का गीत कवि—जयशंकर प्रसाद अथवा कविता—पद कवि—तुलसीदास संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक कविता—बारहमासा	**1 x 6 = 6**

ZOLLEGE.in

			11	कवि—मलिक मुहम्मद जायसी अथवा कविता—वसंत आया कवि—रघुवीर सहाय संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	
12	12	12		(क) • भाव का संबंध व्यक्ति से • भाव से उत्पन्न उत्कंठा को नापने का कोई पैमाना नहीं • भारतेंदु हरिश्चंद्र के प्रति लेखक के मन में अपूर्व मधुर भावना • भारतेंदु मंडल की किसी सजीव स्मृति के प्रति लेखक की असीम उत्कंठा जो केवल अनुमान योग्य • चौधरी साहब के प्रति शुक्ल जी की बेचैनी का अनुमान ही लगाया जा सकता है। (ख) • अध्यापकों और माता-पिता द्वारा बच्चे पर अपनी इच्छा के अनुरूप शिक्षा लादने की बहुत कोशिश • बच्चे द्वारा इनाम में लड्डू माँगने पर उसमें बालपन के जीवित होने का अहसास • बच्चे का लड्डू माँगना हरे पत्तों का मर्मर मधुर संगीत (ग) • हरगोबिन संवेदनशील इंसान • बड़ी बहुरिया की समृद्धि से विपन्नता तक का गवाह • बड़ी बहुरिया के दुख से दुखी • बड़ी बहुरिया के लिए कुछ ना कर पाने की हरगोबिन की विवशता • उसे दूर नहीं कर पाने की कसमसाहट से उत्पन्न दुख की टीस (क) • हाथी प्रभुत्वशाली और धनाढ्य वर्ग का प्रतीक • शक्तिशाली और सामर्थ्यवान • भोले-भाले किसानों को धोखे में डालकर उनकी सारी मेहनत हजम करना • किसान हाथी की बात मानने को विवश • हाथी के भय से विरोध नहीं कर पाना (ख) • प्रकृति और मनुष्य का एक दूसरे पर आश्रित • औद्योगीकरण से प्रकृति का नष्ट होना	2 x 2 = 4

ZOLLEGE.in

				● प्रकृति के नष्ट होने से मनुष्य का विस्थापन, उसकी संस्कृति का नष्ट होना (ग) ● मन को अपने अधीन रखना न कि उसके अधीन रहना ● मन प्रधान, इच्छाएँ उसके अधीन ● विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कुराते रहना ● कुटज राजा जनक (संपूर्ण भोगों को भोग कर भी उनसे मुक्त) की तरह वैरागी	
			12	(क) ● राजा को निर्बाध रूप से अपना शासन चलाने के लिए प्राय: ऐसी ही आज्ञाकारी प्रजा पसंद ● उत्पादन के साधनों पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए ● जनता को एकजुट होकर, विरोध न करने के लिए ● अपनी निरंकुश सत्ता स्थापित करने के लिए (ख) ● सिंगरौली के समृद्ध वन-प्रदेश पर लालची ठेकेदारों एवं अधिकारियों की नज़र ● वन-संपदा के कारण सिंगरौली का दोहन ● प्राकृतिक संपदा के आकर्षण से धन- लोलुपों का आना (ग) ● मनोकामना के पूरा होने का अटूट विश्वास ● स्थायी और पवित्र प्रेम के कारण संभव के मन में ईश्वर के प्रति आस्था का जन्म ● अज्ञात यौवना पारो से मिलन की आशा में संभव द्वारा चामुंडा रूप धारिणी मंसादेवी के प्रति आस्था का वर्णन	
13	**13**	**13**	**13**	पाठ—गाँधी, नेहरू, यास्सेर अराफात लेखक—भीष्म साहनी संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष+भाषा – 1 अंक पाठ—दूसरा देवदास लेखिका—ममता कालिया संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष+भाषा – 1 अंक पाठ—कुटज लेखक—हजारी प्रसाद द्विवेदी संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक	**1 x 6 = 6**

ZOLLEGE.in

				व्याख्या – 3 अंक विशेष+भाषा – 1 अंक	
14	14			किसी **एक** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित : (क) ● सूरदास एक अंधा भिखारी ● भीख माँग कर जीवन यापन एवं बचत ● जीवन के प्रति सकारात्मक एवं जीवन मूल्यों के साथ जीना ● सब कुछ लुट जाने के बाद भी नए सिरे से जीवन यापन की इच्छा ● इज्जतदार नागरिक की तरह गाँव में रहना तथा दूसरों के दुख-सुख में साथ रहना (ख) ● मालवा क्षेत्र के प्राकृतिक परिवेश, संस्कृति और जनजीवन का चित्रण ● पर्यावरण पर संकट के साथ ग्रामीण संस्कृति का नष्ट होना ● 'पग-पग नीर' वाले मालवा के नदी- नाले सूख गए ● विकास की औद्योगिक सभ्यता का उजाड़ की अपसभ्यता में बदल जाना ● ग्रामीण जीवन पद्धति, संस्कृति तथा सभ्यता का उजड़ना	1 x 3 = 3
		14		(क) ● सूरदास के जीवन भर की कमाई पोटली में ● पोटली के भरोसे भावी सुखद जीवन की कल्पना ● पितरों का पिंडदान, गाँव में कुआँ बनवाना, मिठुआ की सगाई तय कर देना—इन सभी योजनाओं का आधार पोटली (ख) ● मालवा की समृद्धि ● उपजाऊ धरती, भोजन और अन्न की कोई समस्या नहीं ● कदम-कदम पर पानी और अन्न उपलब्ध ● रोटी और पानी जीवन का आधार	
			14	(क) ● ईर्ष्यालु एवं संदेह करने वाला ● प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत ● संवेदनहीन	

ZOLLEGE.in

				• स्त्री के प्रति क्रूर व्यवहार करने वाला (ख) • बिसनाथ का असमय माँ के दूध से वंचित हो जाना कारण – • दूसरे बच्चे के जन्म से माँ के दूध पर अधिकार खत्म हो जाना • बिसनाथ को जितने समय तक माँ का दूध पीना चाहिए था, उससे पहले ही दूध से वंचित हो जाना	

ZOLLEGE.in